Book Ad Any category of Classified and get special Discount
Times of india/ Hindustan times/ Denik jagran / Amar ujala/ Navbharat times Hindustan hindi
Discount Code TBC10
Contact:
Kunika Advertising
Plot no- 516. Sector-12, Friends Co-operative Society, Vasundhara, Ghaziabad
Mo. 8130640000

Year-14 Issue- 20
Ghaziabad, Sunday, 16 October- 2022
16 October to 22 October- 2022
Page: 8

Postal Registration No: UP/GZB- 80/2016-18
RNI.No: UPBIL/2009/28691
DAVP Code: 101473
Editor: Dheeraj Kumar
Mo.: 9871895198

TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Hindi/English {Bi-Lingual} Weekly Ghaziabad
डीएवीपी एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
www.tbcgzb.com
Email: editor@tbam.co.in

रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर और आरएचएएम फाउंडेशन के नेतृत्व में लगा मेगा हेल्थ कैंप

मेगा हेल्थ कैंप में 220 लोगों ने निशुल्क कराई स्वास्थ्य की जांच

मेगा हेल्थ कैंप में लोगों के बीपी शुगर, आंख, दांत और हीमोग्लोबिन की निशुल्क जांच गई है। शिविर के माध्यम से जरूरत मंद लोगों को स्वास्थ्य और बीमारियों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से आगे भी इसी तरह लोगों की मदद करने में पूरा सहयोग किया जाएगा।
रो. दयानंद शर्मा, सेक्रेटरी आरएचएएम फाउण्डेशन

स्वास्थ्य शिविर, सेनेटरी पैड वितरण और लोगों को वैक्सीनेट व सतर्कता डोज अभियान यथावत चलता रहेगा। संस्था का मकसद है कि सौ फीसदी जरूरमंद लोगों को इसका लाभ मिले और दूसरे लोगों को भी इससे प्रेरणा लेनी चाहिए।
रो कुनिका भार्गव, अध्यक्ष, रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सेफरोन

रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर और आरएचएएम फाउंडेशन समाज को समर्पित संगठन हैं और लंबे समय से समाज के हित के लिए कार्य कर रहे हैं। वैशाली में भी रोटरी क्लब ने मेगा कैंप लगाकर लोगों को लाभांवित किया था।
रो मनीषा भार्गव, अध्यक्ष रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर

रोटरी क्लब और आरएचएएम फाउंडेशन की तरफ से स्वास्थ्य की निशुल्क जांच करने का सिलसिला आगे भी इसी तरह से चलता रहेगा। लोगों से अपील है कि वह शिविर में आए और अपने स्वास्थ्य की निशुल्क जांच कराकर बीमारियों के प्रति जागरूक रहें।
रो अमिता महेंद्रु

मेगा हेल्थ कैंप में सबसे खुशी की बात यह है कि एक ही प्लेटफार्म पर लोगों को सभी तरह की जांच कराने का मौका मिल रहा है। इसमें रोटरी क्लब, आरएचएएम और स्वास्थ्य विभाग का कदम सराहनीय है।
सुरेंद्र सेठी, वेट मैनेजमेंट एक्सपर्ट एंड हेल्थ कंसल्टेंट

राजेंद्र नगर में आरएचएएम फाउंडेशन एंड रोटरी क्लब की तरफ से दूसरा मेगा कैंप लगाया गया है। लोगों के स्वास्थ्य की निशुल्क जांच कर उनको लाभांवित करने का कार्य बेहद सराहनीय है। इसमें स्वास्थ्य विभाग की ओर से पूरा सहयोग किया जाएगा।
डॉ पवन कुमारी, एमएमजी अस्पताल गाजियाबाद

रोटरी क्लब और आरएचएएम फाउंडेशन का स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर स्वास्थ्य की निशुल्क जांच के लिए शिविर लगाने का अभियान लगातार आगे बढ़ रहा है। हमारा उद्देश्य है कि ज्यादा से ज्यादा लोग अपने स्वास्थ्य की जांच कराएं और बीमारियों के प्रति सचेत हो।
डॉ धीरज कुमार भार्गव, फाउंडर आरएचएएम फाउंडेशन

गाजियाबाद। राजेंद्र नगर सेक्टर-5 स्थित समर्पण देवालय में बुधवार को रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर और आरएचएएम फाउंडेशन की ओर से स्वास्थ्य की जांच के लिए निशुल्क मेगा हेल्थ कैंप लगाया गया। जिसमें सुबह साढ़े नौ बजे से दोपहर करीब डेढ़ बजे तक 220 लोगों ने बीपी, शुगर, एनीमिया, आंख, दांत, हीमोग्लोबिन और कोलेस्ट्रॉल आदि की जांच कराई। स्वास्थ्य की जांच कराने आए लोगों को चिकित्सक के परामर्श के बाद निशुल्क दवाइयां भी दी गई। इससे पहले जिला अस्पताल से डॉ पवन कुमारी, आरएचएएम फाउंडेशन एंड रोटरी हेल्थ अवेयरनेस मिशन और रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर की टीम ने संयुक्त रूप से शिविर की शुरूआत की। डॉ पवन कुमारी ने कहा कि लोगों की मदद के लिए रोटरी क्लब और आरएचएएम फाउंडेशन की ओर से दूसरा मेगा कैंप लगाया गया। जिसका जरूरतमंद लोगों को फायदा मिल रहा है।

शेष खबर पृष्ठ 8 पर.......

TIRUPATI EYE

प्रदेश में गैर मान्यता प्राप्त संचालित 6436 मदरसे, अब 20 अक्टूबर तक होगा सर्वे

यूपी न्यूज। प्रदेश में गैर मान्यता प्राप्त मदरसों के सर्वे की समयावधि 20 अक्टूबर तक बढ़ा दी गई है। अब सभी जिलाधिकारियों द्वारा सर्वे का डाटा 15 नवम्बर तक शासन को उपलब्ध करवाया जाएगा। प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री धर्मपाल सिंह ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि हर स्तर पर निर्धारित समयावधि में ही सर्वे का काम पूरा करवाया जाए। अब तक 6436 गैर मान्यता प्राप्त मदरसे चिन्हित किये जा चुके हैं, इनमें से 5170 मदरसों का सर्वे पूरा कर लिया गया है। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ने निर्देश दिये हैं कि मदरसों के सर्वे के लिए गठित सर्वे टीम द्वारा रिर्पोट, संकलित डाटा अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) के माध्यम से 31 अक्टूबर तक जिलाधिकारी को रिपोर्ट प्रस्तुत करने की कार्वाई की जाएगी। जिलाधिकारी द्वारा सर्वे का रिपोर्ट 15 नवम्बर तक शासन को उपलब्ध कराई जाएगी। बुधवार को मदरसों के सर्वे की समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि गैर मान्यता प्राप्त मदरसों के सर्वे कार्य की व्यापकता एवं संवेदनशीलता के मद्देनजर और सर्वे टीम द्वारा प्राप्त सूचानाओं के आधार पर सर्वे कार्य की तिथि को 20 अक्तूबर तक आगे बढ़ाये जाने की निर्णय लिया गया है। उन्होंने निर्देश दिए कि तीन वरिष्ठ अधिकारियों की कमेटी बनाकर मदरसों के सर्वे कार्य की मंडल स्तर पर दैनिक रूप से समीक्षा की जाए । समिति में विशेष सचिव अल्पसंख्यक, निदेशक तथा रजिस्ट्रार मदरसा बोर्ड होंगे। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ने कहा कि गैर मान्यता प्राप्त मदरसों के विवरण में सर्वे टीम द्वारा मदरसे का नाम, मदरसे का संचालन करने वाली संस्था का नाम, स्थापना वर्ष, मदरसे की अवस्थिति का सम्पूर्ण विवरण, आदि का का कार्य गंभीरतापूर्वक किया जाए।

BUREAU OFFICE
PRATEEK BHARGAVA
BUREAU CHIEF
Add: Plot No- 516, Sector 12, Friends Co-operative Society, Vasundhara, Ghaziabad (U.P.)
Mo.: 8130640011
e-mail: prateekb@tbcgzb.com
Contact for Press Release and Advertisements

बिना पंजीकरण के दौड़ रहे वाहनों पर शिकंजा, डेढ़ सौ पंजीकरण जल्द होंगे निरस्त

गाजियाबाद। परिहवन विभाग की ओर से शहर में बिना पंजीकरण दौड़ रहे वाहनों पर जल्द ही शिकंजा कसा जाएगा। बिना फिटनेस के जिले में दौड़ रहे 140 स्कूली वाहनों का पंजीकरण 14 दिन बाद रद्द कर दिया जाएगा। इनमें 133 बसों के पंजीकरण का समय 10 वर्ष से अधिक हो चुका है। अनफिट वाहनों में स्कूल की बस और कैब दोनों शामिल हैं।

एआरटीओ प्रशासन राहुल श्रीवास्तव का कहना है कि जितने भी स्कूली वाहन बिना फिटनेस संचालित हो रहे हैं, उनके स्वामियों को नोटिस जारी किए गए हैं। उन्हें फिटनेस कराने के लिए 14 दिन का समय दिया गया है। इसके बाद पंजीकरण रद्द कर बसों को सीज कर दिया जाएगा।

मोदीनगर में 20 अप्रैल को दयावती मोदी पब्लिक स्कूल के 11 वर्षीय छात्र बस मोड़ते समय हादसे में मौत हो गई थी। इस मामले में शासन ने तीन अधिकारियों को निलंबित किया था। इसके बाद आरटीओ ने 50 बसों को सीज और 80 बसों का चालान किया था। उस समय जिले में 953 बस बिना फिटनेस के चल रही थीं। परिवहन विभाग की सख्ती के बाद स्कूल संचालकों ने 680 बसों का फिटनेस करा ली।<

जुलाई में बिना फिटनेस चलने वाले स्कूली वाहनों की संख्या 273 रह गई। इनमें से 140 वाहन ऐसे हैं, जिनकी अगस्त में फिटनेस समाप्त हो गई, लेकिन अभी तक फिटनेस नहीं कराया है। बता दें कि मुरादनगर में कैब पलटने से कई बच्चे घायल हो गए थे। जांच में पता चला था कि कैब का पंजीकरण और फिटनेस समाप्त हो चुका था। कैब भी स्कूल का सुरक्षा गार्ड चला रहा था। आरटीओ ने कैब को सीज कर मुरादनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, क्योंकि स्कूल प्रबंधन ने शपथपत्र दिया था कि कैब संचालित नहीं हो रही है, बल्कि स्कूल में खड़ी है।

आरटीई दाखिले नहीं होने पर जीपीए ने उठाए सवाल

गाजियाबाद। गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन ने निजी स्कूलों में आरटीई दाखिले नहीं होने के लिए शिक्षाधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया है और स्कूलों पर कार्रवाई नहीं करने पर जिला प्रशासन पर भी सवाल उठाए हैं।

जीपीए का कहना है कि मेरठ रोड के एक नामी स्कूल के लिए आरटीई के 29 बच्चों का चयन हुआ था, लेकिन छह महीने बीतने पर भी स्कूल ने बच्चों को प्रवेश नहीं दिया है। नगर मजिस्ट्रेट ने स्कूल पहुंचकर काफी जद्दोजहद कर नौ बच्चों के दाखिले फार्म भरवाए, लेकिन दो दिन बाद स्कूल गए बच्चों को गेट से ही वापस भेज दिया गया। जीपीए का आरोप है कि स्कूल मालिक एक रसूखदार व्यक्ति है, इसलिए दो दिन बाद नगर मजिस्ट्रेट के प्रयास विफल हो गए और स्कूल मालिक के दबाव में आकर शिक्षा एवं प्रशासनिक अधिकारी फिर से नतमस्तक हो गए। जीपीए अध्यक्ष सीमा त्यागी ने कहा कि बाल आयोग सहित केंद्र एवं राज्य सरकार दोनों को स्थिति से अवगत कराते हुए जिला प्रशासन को भी अनेकों बार ज्ञापन दिया जा चुका है। चयनित बच्चे बीएसए कार्यालय पर धरना भी दे चुके है, लेकिन शिक्षाधिकारी एवं जिला प्रशासन इस स्कूल में बच्चों के दाखिले पर चुप्पी साधे हैं। अब देखना यह है कि बच्चों को शिक्षा अधिकार मिलेगा या अधिकारी केवल खाना पूर्ति करते रहेंगे।

गाजियाबाद जिला प्रशासन का फरमान, अब दूसरा लाइसेंस नहीं बनवा सकेंगे लाइसेंस शस्त्रधारी

गाजियाबाद। गाजियाबाद जनपद में लाइसेंस शस्त्रधारी अब बंदूक, रिवॉल्वर दूसरा लाइसेंस नहीं बनवा सकेंगे। जिलाधिकारी ने इस पर रोक लगा दी है। साथ ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर दूसरे लाइसेंस के लिए आवेदन पत्र पर संस्तुति नहीं करने का अनुरोध किया है। जिलाधिकारी का कहना है एक शस्त्रधारक के पास कई लाइसेंस होने से जिसे वास्तव में शस्त्र लाइसेंस की जरूरत होती है उसके मामले में प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने कहा कि जिनके पास एक शस्त्र लाइसेंस है वह दूसरे के लिए कतई आवेदन न करें। मौजूदा समय में शस्त्र लाइसेंस रखना स्टेटस सिंबल बनने लगा है। इसे रोकना जरूरी है। जिलाधिकारी ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से अनुरोध किया कि जिनके पास शस्त्र लाइसेंस है और उन्होंने दूसरे के लिए आवेदन कर दिया तो पुलिस जांच अधिकारी उनके दूसरे शस्त्र लाइसेंस के

लिए संस्तुति न करें। जिलाधिकारी ने बताया आत्मरक्षा के लिए एक शस्त्र लाइसेंस ही पर्याप्त है। लेकिन देखा गया है कि नए शस्त्र लाइसेंस आवेदन पत्रों पर जांच अधिकारी बिना किसी जांच के लाइसेंस के लिए संस्तुति भेज रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच अधिकारी नए शस्त्र लाइसेंस आवेदन पत्र की जांच करते समय इस बात पर विशेष ध्यान दें कि आवेदक के पास पहले से तो कोई शस्त्र लाइसेंस नहीं है। जिलाधिकारी ने एसएसएपी से अनुरोध किया कि इस संबंध में वह अपने अधीनस्थ संबंधित अधिकारियों को भी आदेश जारी करें।

लोगों की जान के लिए खतरा बने हवा में झूलते तार, बिजली विभाग में नहीं हो रही कोई सुनवाई

गाजियाबाद। रेलवे रोड राजीव कॉलोनी में हवा में झूलते तार लोगों के लिए जानलेवा बने हैं। यहां मुख्य सड़क से कॉलोनी के भीतर तार पहुंच रहे हैं। लेकिन भीतर की तरफ तारों के लिए कोई खंबा नहीं है। अधिकांश घरों के आगे तारों को लकड़ी की सपोर्ट दी गई है। संकरी गली होने के कारण घरों के आगे तारों का जाल फैला है और जगह-जगह तार मकानों को भी छू रहे हैं। इससे हादसा होने की आशंका है। आरोप है कि कॉलोनी में लगाने के लिए करीब छह साल पहले खंबे आए थे, लेकिन उनको लगाने के लिए कोई नहीं आ रहा है। दरअल, राजीव कॉलोनी 27 साल पुरानी है। जिसमें साढे.तीन हजार की आबादी है। यहां गली संकरी है और जगह-जगह तारों का जाल मकान को छू रहा है। करीब 8 साल पहले कॉलोनी में इलेक्ट्रिफिकेशन के नाम पर केबल तार लटका दिए गए और पर्याप्त संख्या में पोल भी खडे.नहीं किए गए हैं। खंबा नहीं होने के कारण लोगों के घरों के आगे तार लटकते हुए देखे जा सकते हैं। कई मकानों के आगे तो तारों का पूरा जाल बिछा हुआ है। बारिश में मकानों में सीलन हो जाती है। इससे करंट उतरने का खतरा रहता है। कॉलोनी में रहने वाले डब्बू आर्य ने बताया कि लोगों की मांग पर छह साल पहले बिजली के खंबे कॉलोनी में रख दिए गए हैं, लेकिन उनको आज तक खड़ा करने के लिए बिजली विभाग की तरफ से कोई नहीं आया है।

नहीं लगाया कोई सेफ्टी जाल

कॉलोनी के भीतर खंबा नहीं है और तार नीचे तक लटके हुए हैं। आरोप है कि बिजली विभाग ने कोई सेफ्टी जाल भी नहीं लगाया है। आरोप है कि विद्युत विभाग की तरफ से लापरवाही बरती जा रही है। कॉलोनी में रहने वाले मोहन नेगी ने बताया कि संकरी गलियों में तारों को सपोर्ट देने के लिए गली के बीचोबीच लकड़ी लगाई हुई है। लोग काफी समय से खंबे लगाने की मांग कर रहे हैं। इसकी जनसुनवाई पोर्टल पर भी शिकायत की गई है। हालांकि बिजली विभाग के अधिकारियों ने जल्द ही इस समस्या के समाधान का आश्वासन दिया है।

गंगाजल की सप्लाई बाधित होने से 50 हजार घरों पर पानी का संकट

गाजियाबाद। वसुंधरा जोन में गंगाजल की सप्लाई बंद होने से करीब 50 हजार लोगों के सामने पानी का संकट गहरा गया है। गंगाजल आपूर्ति बंद होने के बाद से इंदिरापुरम के अभयखंड के लोगों को पानी नहीं मिल सका है। इलाके में करीब 8 हजार लोग ऐसे हैं, जिनके यहां सबमर्सिबल नहीं लगा है। लिहाजा, ये रोजमर्रा के कार्यों के लिए भी बोतलबंद पानी पर निर्भर हैं। वहीं, टीएचए के कई हिस्से में जीडीए और नगर निगम लोगों को एक समय भी पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं करा पा रहा है।

अभयखंड में गंगाजल बंद होने पर ट्यूबवेल से पानी की आपूर्ति की जाती है। यहां केवल दो ट्यूबवेल हैं, जिनसे लगभग

50 से 60 हजार लीटर पानी एक घंटे में निकलता है। अभयखंड में करीब छह हजार परिवार रह रहे हैं, जिनकी संख्या करीब 30 हजार होगी। स्थानीय लोगों ने बताया कि एक परिवार को एक हजार लीटर पानी की जरूरत होती है, इसके मुताबिक इलाके में प्रतिदिन करीब 25 लाख लीटर पानी की जरूरत है। जीडीए अधिकारियों का कहना है कि 12 लाख लीटर पानी आपूर्ति की जा रही है लेकिन यह आपूर्ति भी कहने के लिए है, हकीकत में गंगाजल बंद होने के बाद से अभयखंड में लोगों को पानी नहीं मिल रहा है। पानी न आने की शिकायत लगातार की जा रही है लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। वहीं, जीडीए के अधिशासी अभियंता आलोक रंजन ने बताया कि ट्यूबवेल पर बिजली कनेक्शन न होने की वजह से अभयखंड में पानी आपूर्ति बाधित हो रही है। मंगलवार को कनेक्शन करा दिया गया है, बुधवार से लोगों को पानी मिल सकेगा। वहीं, गंगनहर बंद होने के दौरान लोगों को पर्याप्त पानी मिल सके, इसके लिए स्थानीय लोगों ने जीडीए को पत्र लिखकर 25 एचपी के हिसाब से दो अतिरिक्त बोर कराने की मांग की है। अभयखंड में अभी जो दो ट्यूबवेल है वह 10 एचपी का ही है। हर साल लोग नए नलकूप लगाने की मांग करते हैं लेकिन जीडीए अधिकारी महज आश्वासन देकर टरका देते हैं। त्योहारी सीजन में पानी की मांग ज्यादा है। महंगा बोतलबंद पानी खरीदकर पीने से लोगों की जेब भी ढीली हो रही है। गंगनहर की सफाई होने से पहले 45 क्यूसेक गंगाजल टीएचए को मिल रहा था। प्रताप विहार प्लांट बंद होने पर नगर निगम व जीडीए ने 151 नलकूप व 18 टैंकरों से पर्याप्त पानी देने का दावा किया था लेकिन दोनों विभाग पर्याप्त पानी नहीं दे पा रहा है। इसकी बानगी वैशाली, वसुधंरा, इंदिरापुरम व डेल्टा कॉलोनी में देखी जा सकती है। न्यायखंड दो के लोगों ने जीडीए कार्यालय के घेराव की चेतावनी दी है।

मोहन नगर जोन में लोगों की पेजयल समस्या का जल्द होगा समाधान, ढाई करोड़ की लागत से तैयार ओवरहैड टैंक

गाजियाबाद। मोहन नगर जोन के पाइप मार्केट एरिया के आसपास लोगों की पेयजल की किल्लत नहीं होगी। यहां मार्केट एरिया में ढाई करोड़ की लागत से भूमिगत व ओवरहैड टैंक (उच्च जलाशय) बनकर तैयार होने वाला है। एरिया के लोग काफी समय से पानी की किल्लत को लेकर परेशान थे और निगम अधिकारियों से पेयजल समस्या के समाधान की मांग कर रहे थे। फिलहाल, जलनिगम ने जलाशय बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। जलनिगम के अधिकारियों का दावा है कि नवंबर 2022 तक इस प्रोजेक्ट को पूरा कर दिया जाएगा। इसके बाद दोनों जलाशय नगर निगम को हैंडओवर कर दिए जाएंगे।

दरअसल, पाइप मार्केट एरिया में केंद्र सरकार की अमृत योजना के तहत जलाशय का निर्माण चल रहा है। यहां 2100 किलो

लीटर क्षमता का ओवरहैड टैंक यानि उच्च जलाशय और 2000 किलो लीटर क्षमता का अंडर ग्राउंड वाटर टैंक यानि भूमितगत जलाशय बनाया जा रहा है। इसके लिए जलाशय का बेस और लेयर बनाने का काम चल रहा है। जलाशय बनने से राजीव कॉलोनी, मोहन नगर कॉलोनी, लाजपत नगर, स्वरूप पार्क कॉलोनी, श्यामपार्क एक्सटेंशन व मेन, राजबाग कॉलोनी, राजेंद्र नगर सेक्टर-5 और 4 वृंदावन गार्डन पूर्वी व पश्चिमी के करीब 40 हजार से अधिक परिवारों की पेयजल समस्या का समाधान हो जाएगा। राजेंद्र नगर में रहने वाली शालिनी सिंह ने बताया कि लंबे समय से कॉलोनी में पेयजल की समस्या बनी हुई थी। लोग सबमर्सिबल व पानी की बंद बोतल खरीदकर रोजमर्रा का काम चलाते हैं। अब उच्च व भूमितगत जलाशय बनने पर लोगों की पेयजल समस्या का समाधान होने की उम्मीद है।

रैनीबेल से भरा जाएगा जलाशयों में पानी

हिंडन नदी पर बनने वाले रैनीबेल से दोनों जलाशयों में पानी भरकर स्टोर किया जाएगा। इसके बाद कॉलोनियों में पानी की सप्लाई शुरू होगी। जल निगम के अधिकारियों का कहना है कि किसी भी एरिया में लोगों को पानी की किल्लत नहीं होगी। मोहन नगर जोन में लोग काफी लंबे समय से पेयजल समस्या को लेकर परेशान हैं। अब भूमिगत व उच्च जलाशयों के माध्यम से ही कॉलोनियों में पानी सप्लाई होगा।

नई पाइपलाइन बिछाने की मांग

राजेंद्र नगर सेक्टर-2 में रहने वाले राकेश का कहना है कि उच्च व भूमिगत जलाशय बनने के बाद सभी कॉलोनियों में नई पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए। पुरानी व जर्जर लाइन से पानी की सप्लाई होने पर गंदे पानी की समस्या जस की तस रहेगी। इसके अलावा कॉलोनी के लोगों का कहना है कि प्रोजेक्ट पूरा होने पर निगम अधिकारियों से मांग की जाएगी कि सभी कॉलोनियों में सुबह व शाम दो-दो घंटे पानी की सप्लाई की जाए। मोहन नगर जोन में गंगाजल की सप्लाई तो नहीं है, लेकिन लोगों को कम से कम स्वच्छ पानी तो मिल सके।

पौधारोपण कर शहर को हराभरा बनाने का लिया संकल्प

गाजियाबाद। शहर को हरा भरा करने के लिए नगर निगम लगातार प्लांटेशन कर लोगों को जागरूक कर रहा है। इसमें उद्यान विभाग द्वारा शहर में कई स्थानों पर मियांवकी पद्धति से पौधा रोपण किया जा रहा है। उद्यान प्रभारी डॉ अनुज कुमार सिंह ने बताया कि महर्षि दयानंद पार्क जो कि कवि नगर जोन में स्थित है। उसमें पूर्व में भी पौधारोपण का अभियान चलाया गया है। जिसमें पूर्व में मेयर एवं नगर आयुक्त द्वारा वृहद स्तर पर प्लांटेशन का शुभारंभ किया गया है। जिसमें लगभग 5000 से अधिक पौधारोपण किए गए हैं। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी एंड संस्था के सीएसआर सहयोग से स्वामी दयानंद पार्क में मियावकी पद्धति से 5000 पौधे लगाने का कार्य किया

गया। जिसमें निगम का सहयोग संस्था के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। नगर निगम द्वारा संघन वृक्षारोपण की कार्यवाही में पार्षदों के साथ-साथ क्षेत्रीय निवासियों तथा कई सामाजिक संस्थाओं का सहयोग प्राप्त हो रहा है। इस मौके पर कैंब्रिज के इंडिया हेड नचिकेत, हिमानी, हरेंद्र तोमर, अमित, अजय कुमार आदि उपस्थित रहे।

बीएलओ ड्यूटी के विरोध में उतरा शिक्षक संघ

गाजियाबाद। बीएलओ ड्यूटी को लेकर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ गजियाबाद के पदाधिकारियों द्वारा जिलाध्यक्ष रविंद्र राणा के नेतृत्व में प्राथमिक विद्यालय बखरवा ब्लॉक भोजपुर में एक बैठक का अयोजन किया गया। जिलाध्यक्ष रविंद्र राणा ने बताया कि जनपद गाजियाबाद में लगभग एक हजार शिक्षको की ड्यूटी बीएलओ के रूप में मतदाता पुनरीक्षण के कार्य में लगा दी गई है जिसे लेकर जनपद के सभी शिक्षकों में काफी रोष है क्योंकि इन कार्यों से शिक्षण कार्य प्रभावित होता है जबकि विद्यालय में इस समय निपुण भारत मिशन जोर शोर से चलाया जा रहा है। ऐसे में इतनी संख्या में शिक्षकों को अन्यत्र कार्यों में व्यस्त कर देना वास्तव में न्यायोचित नहीं है। शिक्षक संघ द्वारा यह ड्यूटी ना करने का निर्णय लिया गया है। इस अवसर पर

प्रांतीय उपाध्यक्ष डा अनुज त्यागी ने कहा कि निशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 में शिक्षकों से गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्त रखने की बात की गई है। पूर्व में भी मुख्य सचिव एवं अपर मुख्य सचिव द्वारा भी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए गए थे कि शिक्षकों से शिक्षण कार्य के अतिरिक्त कोई गैर शैक्षणिक कार्य ना कराया जाए। समय-समय पर माननीय उच्च न्यायालय द्वारा भी शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्त रखने के विषय में टिप्पणी की गई है। उसके पश्चात भी इस प्रकार इतनी बड़ी संख्या में शिक्षकों को बीएलओ के कार्य में लगा देना स्वीकार नहीं है। अनुज त्यागी ने बताया कि शिक्षकों को केवल राष्ट्रीय आपदा, राष्ट्रीय जनगणना एवं निर्वाचन (चुनाव) के लिए ही लगाया जा सकता है उसके अतिरिक्त शिक्षकों से कोई गैर शैक्षणिक कार्य कराना उचित नहीं है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष रविंद्र राणा, प्रांतीय उपाध्यक्ष डा अनुज त्यागी, ब्लॉक अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह, लक्ष्मण राठी मंत्री, अरविंद शर्मा, अमित चौधरी, यशविंदर शर्मा, शैक्षिक महासंघ के जिलामंत्री कनक सिंह त्यागी आदि मौजूद रहे।

संतुलित भोजन, नींद व प्रसन्नता स्वास्थ्य का आधार: योगाचार्य श्रुति सेतिया

गाजियाबाद। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'पहला सुख निरोगी काया' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी हुई ।यह करोना काल में 453 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता योगाचार्य श्रुति सेतिया ने कहा कि स्वस्थ शरीर होने पर ही व्यक्ति सारे कार्य कर पाता है अन्यथा यह शरीर बोझ लगने लगता है। अतः व्यक्ति को पुरुषार्थ कर स्वस्थ रहना चाहिए तभी वह जीवन का आनंद ले सकता है ।उन्होंने कहा कि निरोगी काया के लिए तीन चीजें बहुत महत्वपूर्ण है-- संतुलित भोजन, नींद और मानसिक प्रसन्नता। संतुलित भोजन का अर्थ है वह भोजन जिससे हमारे शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति हो सके। निरोगी काया से ही व्यक्ति का सवार्गीण विकास संभव है ।आज के इस प्रतिस्पर्धात्मक युग में व्यक्ति किसी एक क्षेत्र में तो सफलता अर्जित कर लेता है परंतु अन्य पक्षों को नकार देता है।

इस विकास को सवार्गीण विकास नहीं कहा जा सकता ।सर्वांगीण विकास का अर्थ है व्यक्ति का शारीरिक, मानसिक, सामाजिक व आध्यात्मिक विकास होना ।इन गुणों को विकसित करने में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहायक सिद्ध होती हैं ।प्रकृति रोग के रूप में दण्ड देती अवश्य है, परन्तु वह पहले चेतावनी देकर रोग मुक्ति का अवसर भी हमें प्रदान करती है ।स्वस्थ बने रहने के लिए जिन मयार्दाओं का पालन करना पड़ता है यह मात्र पांच है।

इन्हें निरोगिता के पंचशील कह सकते हैं। पहला-- सात्विक भोजन, दूसरा-- उपयुक्त जीवन शैली , तीसरा-- समय पर गहरी नींद, चौथा-- स्वच्छता, पांचवा-- मन को हल्का रखना।

इन 5 नियमों के पालन करने से स्वास्थ्य अक्षुण बना रहता है ।यदि किसी कारणवश बिगड़ गया तो भूल सुधार लेने से प्रकृति क्षमा कर देती है और खोया हुआ स्वास्थ्य फिर वापस लौटा देती है ।सात्विक भोजन

से तात्पर्य बिना भूख के कभी ना खाना ।जो पच सके वह अमृत और जो बिना पचे पेट में पड़ा रहे वह विष होता है ।खाद्य पदार्थ चबा चबाकर खाना चाहिए ।खाद्य पदार्थ जीवित हो, अर्थात उसे भुना तला ना गया हो, अंकुरित हो ।खाने के बाद पचाने के लिए श्रम की आवश्यकता है। शारीरिक श्रम नियमित रूप से किया जाए ।व्यायाम, प्राणायाम, तेज टहलना और तेल मालिश ऐसे कई तरीके हैं जिससे शरीर के अंग अवयवों को पसीना निकाल देने वाला श्रम करने का अवसर मिल सके ।इसके अतिरिक्त पूरी समय नींद लेने की आवश्यकता पूरी करनी चाहिए। इसके लिए ऐसा कार्यक्रम बनाना चाहिए जिससे जल्दी सोना और जल्दी उठने का क्रम सतत्तः बना रहे।

स्वास्थ्य को बिगड़ने का कारण गंदगी भी है। स्वस्थ रहने के लिए घर यथासंभव ऐसे होने चाहिए जिनमें धूप और हवा का आगमन होता रहे ।स्वास्थ्य रक्षा का पांचवा आधार है विचार तंत्र। मस्तिष्क पर कुविचारों का अनावश्यक तनाव नहीं पड़ने देना चाहिए। प्रसन्न रहने की आदत होनी चाहिए ।प्रसन्न रहने की आदत ना केवल स्वभाव को लोकप्रिय बनाती है वरन स्वास्थ्य को भी सुस्थिर सुदृढ़ बनाए रहती है ।मौत ओर बुढ़ापा तो स्वाभाविक है, पर बीमारी अस्वाभाविक है ।यह तो प्रकृति के अनुशासन की अवज्ञा करने का दंड है ।दंड का भाजन उसी को बनना पड़ेगा जो लापरवाही करेगा। यदि हम सही रास्ते पर चलें तो निश्चय ही निरोगी और दीर्घजीवी बनकर वो सब कुछ कर सकते हैं जिसके लिए इस धरती पर आए हैं। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने संचालन करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर ही जीवन का आधार है ।सभी सुखों का आनंद स्वस्थ शरीर से ही लिया जा सकता है।

मुख्य अतिथि प्रतिभा कटारिया व अध्यक्ष योगाचार्या रजनी चुघ ने भी स्वस्थ रहने के उपाय बताये। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि करो योग रहो निरोग। इस मौके पर गायक रविन्द्र गुप्ता, प्रवीना ठक्कर, पिंकी आर्य, कौशल्या अरोड़ा, सुनीता अरोड़ा, रचना वर्मा, ईश्वर देवी, जनक आरोड़ा, कमला हंस, कमलेश चांदना, बिंदु मदान, राज अरोड़ा आदि के मधुर भजन हुए।

Editorial

Ordinary men: On the Aam Aadmi Party's Hindu politics

The Aam Aadmi Party (AAP) is trying to expand its footprint beyond its cradle of Delhi. It is also seeking to capitalise on its success in Punjab, where it formed a government earlier this year, and which boosted that ambition. The party is now eyeing Gujarat, where the contest between the Bharatiya Janata Party (BJP) and the Congress went down to the wire in 2017, and elections are due later this year. AAP supremo Arvind Kejriwal is spending a lot of time in the State in the hope of displacing the Congress to emerge as the prime challenger to the BJP, which has been in power since the 1990s. The BJP faces significant anti-incumbency though the Hindutva sauce that it dishes out generously made it more palatable than the Congress all this while. Mr. Kejriwal has an expanding catalogue of promises for Gujaratis. He has now promised a fully paid pilgrimage for Gujaratis, mainly senior citizens, to Ayodhya, after being labelled by the BJP as 'anti-Hindu'. Mr. Kejriwal has never lost an opportunity to wear his Hindu credentials on his sleeve, but suddenly found himself on the back foot after Rajendra Pal Gautam, a Minister in AAP's Delhi government — he has since resigned — took part in a gathering of Ambedkarites recently, where they had pledged to disown Hindu religion and its deities. Mr. Kejriwal gave the Dalit leader his marching orders. The expulsion of the Dalit leader from the AAP Council of Ministers in Delhi is in contrast with the complete backing that Mr. Kejriwal continues to offer another Minister who remains in office while being in jail on corruption charges. Therein lies the fundamental challenge to AAP's national plan. The party had fashioned itself as an anti-corruption platform that offered good governance, transparency and accountability.

Dr. Dheeraj Kumar Bhargava

Chelsea coach Graham Potter says Fikayo Tomorired card changed the game

Chelsea head coach Graham Potter has said the Fikayo Tomori's red card changed the game for Chelsea at San Siro. Pierre-Emerick Aubameyang and Jorginho scored to give Chelsea a 2-0 win over AC Milan in the UEFA Champions League.

The newly appointed head coach insisted that the penalty was a big moment in the game and changed what Milan could do.

"Firstly, to get a penalty and then a red card is a big moment (in the match). Everybody would agree with that as it changes the game in terms of what Milan want to do. For us, we still have to make it count and it isn't straightforward playing against 10 men, especially here as any action can lead to a goal and then the crowd are so into the game again. So it's really difficult. It was a big moment but I felt we could do enough 11 v 11.

But the referee has made a decision and we have to get on with it," said Potter.

The Englishman also touched upon Reece James, who picked up an injury against the Italian champions.

"Reece, we're hoping he'll be ok. (We'll need) 24-48 hours because it's too early to tell you anything more than that," Potter added. Potter also showered praise on Aubameyang, saying it looks like he's enjoying his football and scoring goals.

"No, we've not done anything special, it's all down to him. He has been building his fitness up. We spoke before that he came from a difficult summer so it's been a case of building up his match minutes up and the more he gets the stronger he gets, and the more we understand him the more he understands us. Everyone knows his quality and it's great for him. He looks like he is enjoying his football and scoring goals is important," said Potter.

Chelsea registered their fourth win in a row under new manager Graham Potter. With this win, the Blues moved above RB Salzburg into first place in their group in the UEFA Champions League.

Novak Djokovic's Australia ban waiver would be 'slap in the face' says former Australian minister

Former Home Affairs Minister Karen Andrews said that waiving Novak Djokovic's visa ban to let him play the Australian Open would be a "slap in the face" for Australian people who were vaccinated for COVID-19. Djokovic was deported from Australia in the leadup to the Grand Slam in January for declining to be vaccinated.

Although Djokovic is prohibited from entering the nation until 2025, the government may waive his three-year visa ban. Australia repealed a law requiring foreign visitors to register whether they had had the COVID vaccine in July, and Djokovic said he was looking for "good news" on his application to play in the Australian Open in 2019.

Andrews said, however, that the rule change should have no bearing on Djokovic's case.

"There would have been other people in similar circumstances that have also had their visas canceled," the lawmaker told ABC Radio on Monday.

"So if immigration now chooses to make a special allowance for Novak Djokovic, the obvious question is what are they going to do about anyone else who may be in similar circumstances?"

Australia's Home Affairs ministry reiterated that it does not comment on individual cases.

Andrews said lifting Djokovic's ban would be a "slap in the face for those people in Australia who did the right thing (and) got vaccinated."

"(Why should) Novak Djokovic be allowed back into the country simply because he's a high-ranking tennis player with many millions of dollars?" she added.

"It shouldn't be just one rule for (him) and a different rule for everyone else."

Djokovic, who has won the Australian Open a record nine times, was unable to travel to New York for the recent U.S. Open because he was not vaccinated but said he had no regrets about missing two of the year's four Grand Slams.

India vs South Africa: Shubman Gill says he's quite disappointed by the way he got out

India batter Shubman Gill has said that he's quite disappointed by the way he got out after missing out on a half-century against South Africa in Delhi. Team India beat the Proteas by 7 wickets to win the three-match ODI series 2-1. Speaking after the match, Gill said he was disappointed by his dismissal but went on to praise the bowlers for their effort throughout the series. "Quite disappointed by the way I got out. But all the learnings from the series - the way we were down and the way we came back was tremendous. The bowlers did a great job in this series. Really pleasing series for us," said Gill. The 23-year-old said the young players in the team showed character to prove they have what it takes to flourish in the biggest stage of international cricket. "There were a lot of young players, including myself. The way we came back showed we have the character that it takes. The talk was just to express ourselves and trust the process. It doesn't matter what the result is," Gill added. Kuldeep Yadav was the star man for India as he picked up four wickets to guide India to a 7-wicket victory over South Africa at the Arun Jaitley Stadium in Delhi. The men in blue bowled out the tourists for 99 in 27.1 overs, their lowest total against India. Captain Shikhar Dhawan and Ishan Kishan fell cheaply but Gill joined hands with vice-captain Shreyas Iyer to stabilize the Indian innings. Gill fell just one run short of his half century as India romped home to a seven-wicket victory with 31.5 overs still to spare. This was South Africa's third heaviest defeat in one-day internationals. Team India will now turn their focus on the ICC Men's T20 World Cup in Australia, where they will face the hosts in their first warm-up game on October 17.

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग सदस्य ने पीएम के 15 सूत्रीय कार्यक्रम की समीक्षा

गाजियाबाद। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग की सदस्य कुमारी सैयद शहजादी बुधवार को गाजियाबाद में पहुंची। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं की कलक्ट्रेट सभागार में समीक्षा की। आयोग सदस्य ने अल्पसंख्यकों को बांटे गए ऋण और तीन तलाक के मामलों को लेकर डीएम-एसएसपी से रिपोर्ट मांगी है।

आयोग सदस्य कुमारी सैयद शहजादी ने कहा, देश के प्रत्येक राज्यों में रहने वाले अल्पसंख्यकों को उनसे जुड़ी योजनाओं को लाभ मिल रहा है या नहीं, इसी को लेकर वे उत्तर प्रदेश के जनपद गाजियाबाद में भ्रमण पर आई हैं। यहां आकर उन्होंने पीएम के 15 सूत्रीय कार्यक्रम पर फोकस किया और अफसरों से बिंदुवार आख्या ली।आयोग सदस्य ने कहा, कुरआन में यदि किसी लफ्ज का बार-बार जिक्र किया गया है तो वह है इल्म यानी तालीम का। इसलिए अल्पसंख्यक बच्चों की तालीम पर भारत सरकार बेहद ध्यान दे रही है। बच्चों के एक हाथ में कुरआन व एक हाथ में कंप्यूटर होना चाहिए। भारत सरकार ने अल्पंसख्यकों की शिक्षा का बजट भी बड़ा किया है।

उन्होंने जानकारी ली कि जनपद में अब तक कितने लोगों को जीवन स्तर सुधारने के लिए ऋण उपलब्ध कराया गया और कितने छात्रों को छात्रवृत्ति दी गई। शैक्षिक, आर्थिक सशक्तिकरण के लिए क्या कदम उठाए गए?

उन्होंने निर्देश दिए कि वे केंद्र सरकार की ओर से संचालित कौशल विकास हेतु सीखो और कमाओ योजना, शिल्प प्रशिक्षण, कौशल उन्नयन उस्ताद, शिक्षा एवं आजीविका पहल नई मंजिल, कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। डीएम राकेश कुमार सिंह, एडीएम प्रशासन ऋतु सुहास, एएसपी सुभाष चंद्र गंगवार, एसीएम चंद्रेश कुमार सिंह सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

डॉ राम मनोहर लोहिया को याद कर श्रद्धांजलि दी

समाजवादी आंदोलन के नायक, स्वतंत्रता सेनानी, पिछड़ों, कमजोर वर्गों, दलितों की आवाज थे लोहिया: शिक्षाविद रामदुलार यादव

गाजियाबाद। ज्ञानपीठ केंद्र पर स्वरूप पार्क जी.टी रोड साहिबाबाद के प्रांगण में समाजवादी आंदोलन के नायक, स्वतंत्रता सेनानी, पिछड़ों, कमजोर वर्गों, दलितों की आवाज डॉ राम मनोहर लोहिया की पुण्य तिथि मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी चिंतक शिक्षाविद रामदुलार यादव ने की और संचालन इंजीनियर धीरेंद्र यादव ने किया। कार्यक्रम को प्रमुख वक्ताओं ने संबोधित किया समारोह में शामिल सभी लोगों ने डॉक्टर लोहिया को स्मरण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्य वक्ता रामदुलार यादव संस्थापक अध्यक्ष लोक शिक्षण अभियान ट्रस्ट ने डॉक्टर लोहिया के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने अन्याय, अत्याचार, शोषण के विरुद्ध जीवन भर संघर्ष किया। उनका मानना था कि कमजोर के साथ हो रहे अत्याचार पर उसके साथ तन कर खड़े हो जाना तथा अन्यायी को करारा जवाब देना जिससे वह जूल्म करने की जुर्रत ना करें एक समाजवादी की पहचान है। उन्होंने भारत को आजादी दिलवाने में लाहौर जेल में लोकनायक जयप्रकाश के साथ अमानवीय यातनाएं झेली उनके हाथ की उंगलियों में बांस की नुकीली पत्ती ठोक देना, सोने ना देना, डंडे फटकारना आम बात थी जब भारत आजाद हुआ तो डॉक्टर लोहिया ने राजनीति में शुचिता नैतिकता, सद्भाव सभी को न्याय मिले इसके वह प्रबल पक्षधर थे। जब वह लोकसभा में चुनकर गए तो उन्होंने कहा कि जो सपना स्वतंत्रता सेनानियों क्रांतिकारियों ने देखा था वह क्रांति कैद हो गई है। उन्होंने कहा कि सिंहासन और व्यापारी संबंध भ्रष्ट, दूषित और बेईमान हो गया है, ज्यों ज्यों मंत्री जी ऊंचे ओहदे पर पहुंचते हैं त्यों त्यों बेटाजान की आमदनी हजारों गुना बढ़ जाती है।कार्यक्रम में जे एन शर्मा, एसपी छिब्बर, विनोद त्रिपाठी ने भी विचार रखे। डॉ लोहिया ने प्रधानमंत्री को नौकर और संसद को शक्तिशाली माना उन्होंने कहा कि सांसदों के साथ सामंती व्यवहार नहीं करना चाहिए। हम आज तक दास ही बने हैं हम स्वामी नहीं बन पाये हजारों साल से हम गुलाम हैं। स्वतंत्र होने के बाद भी हम अपनी स्थिति में सुधार नहीं कर पाए। कार्यक्रम में डॉक्टर राम मनोहर लोहिया के चित्र पर पुष्प अर्पित करने वाले प्रमुख रहे सीपी सिंह, एसएन अवस्थी, जय नारायण शर्मा, डॉक्टर देवकरण, विनोद त्रिपाठी, संजू शर्मा, बिंदु राय, रेनू पूरी, ओमप्रकाश अरोड़ा, रामजन्म यादव, फूलचंद पटेल, सम्राट सिंह यादव, रामकरण जयसवाल, हरेंद्र यादव, हाजी मोहम्मद सलाम, हरीश ठाकुर, हरीकृष्ण, अमर बहादुर, सुभाष, सुरेश भारद्वाज, राजीव गर्ग, दिवाकर, प्रभा शंकर मिश्रा, इंद्रजीत, चुन्नीलाल चौरसिया, अमृतलाल चौरसिया, लक्ष्मीनारायण सहगल, चंचल सहगल आदि मौजूद रहे।

अब मालगाड़ी भी होगी सुपरफास्ट

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने सेमी हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस की ही तर्ज पर तेज स्पीड वाली मालगाड़ी का भी शुरूआत करने का फैसला किया है। इस ट्रेन को देश में सबसे पहले दिल्ली-एनसीआर और मुंबई क्षेत्रों के बीच संचालित करने की योजना है। इस बारे में रेलवे बोर्ड ने 11 अक्टूबर को जोनल रेलवे के महाप्रबंधकों को एक पत्र लिखा था, जिसमें कहा गया था कि 'फ्रेट ईएमयू' नाम की ये ट्रेनें देश में एक सुपरफास्ट पार्सल सेवा के रूप में अपनी सेवाएं देगी। मालूम हो कि सेमी हाई स्पीड ट्रेन चलाने का उद्देश्य उच्च मूल्य और समय के प्रति संवेदनशील कार्गो खेपों पर पकड़ बनाना है। वर्तमान में परिवहन के अन्य रूपों के माध्यम से माल की ढुलाई हो रही है। वंदे भारत मालगाड़ियों को 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से कंटेनर को एक जगह से दूसरे जगह पहुंचाने के लिए डिजाइन किया गया है।

20 वी क्षेत्रीय विज्ञान एवं गणित मेले में स्वामी विवेकानंद विद्यालय के छात्रों ने लहराया परचम

गाजियाबाद। विद्या भारती पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र द्वारा नोएडा स्थित भाऊ राव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर में 20वी क्षेत्रीय विज्ञान गणित मेले का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय गणित विज्ञान प्रतियोगिताएं नोएडा में आयोजित की गई । मीडिया प्रभारी ललिता त्यागी ने बताया कि इसमें मुख्य अतिथि के रुप में क्षेत्रीय संगठन मंत्री डोमेश्वर साहू जी रहे । प्रतियोगिता में राजेंद्र नगर साहिबाबाद स्थित स्वामी विवेकानंद सरस्वती विद्या मंदिर का अतुलनीय प्रदर्शन रहा । छात्रों ने एक स्वर्ण पदक, पांच रजत पदक एवं दो कांस्य पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया । विज्ञान प्रयोग की प्रतियोगिता में रसायन विज्ञान विषय में सर्वेंद्र मणि ने प्रथम स्थान प्राप्त किया । विज्ञान प्रदर्शन वर्ग में लक्ष्य शर्मा और तनिष्क ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। एवं बाल वर्ग में ही प्रश्न मंच की प्रतियोगिता में इशिका, अविका और हर्ष ने भी द्वितीय स्थान प्राप्त किया । किशोर वर्ग में विज्ञान प्रदर्शनी में

मानस रस्तोगी भव्य शर्मा ने भी नवाचार मॉडल में द्वितीय स्थान प्राप्त किया । तरुण वर्ग में विज्ञान प्रयोग में जीव विज्ञान विषय में वंदना शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। तरुण वर्ग में ही गणित प्रतियोगिताओं में सत्यम राय ने गणित पत्र वाचन में तृतीय स्थान प्राप्त किया । रिमझिम, संध्या झा , अनामिका और भारती ने गणित प्रदर्शनी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया । विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ राधेश्याम गुप्ता ने सभी प्रतिभागी छात्रों को शुभकामनाएं दी। विद्यालय के प्रबंधक वीरेंद्र शर्मा ने भी छात्रों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। विद्यालय के प्रधानाचार्य विशोक कुमार ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए छात्रों के साथ सभी आचार्यों को भी शुभकामनाएं दी। प्रतियोगिता के संयोजक और विद्यालय के विज्ञान प्रमुख पूर्ण चंद जायसवाल ने बताया की प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना एवं भारतीय नई शिक्षा नीति के महत्व को समझाना है।

योगी सरकार का बड़ा फैसला, यूपी में इलेक्ट्रिक कार खरीदने पर मिलेगी एक लाख रुपये की छूट

यूपी न्यूज। इलेक्ट्रिक वीकल का इस्तेमाल देश में तेजी से बढ़ रहा है। तमाम राज्यों की सरकारें इलेक्ट्रिक वीकल्स को बढ़ावा देने के लिए कदम उठा रही हैं। दिल्ली उन राज्यों में सबसे आगे है, जो लोगों को इलेक्ट्रिक वीकल्स को ओर प्रोत्साहित करने के लिए सब्सिडी ऑफर कर रहा है। अब यूपी सरकार ने भी इलेक्ट्रिक वीकल्स को बढ़ावा देने के लिए एक पॉलिसी को मंजूरी दी है। योगी सरकार ने ह्यइलेक्ट्रिक वाहन नीति-2022' को स्वीकृति दी है। सरकार ने कहा है कि उसका मकसद तीन लक्ष्यों को हासिल करना है। पहले लक्ष्य के तहत सरकार इलेक्ट्रिक वीकल्स की खरीद पर छूट देगी। दूसरे लक्ष्य के तहत राज्य में इलेक्ट्रिक वीकल्स की मैन्युफैक्चरिंग पर जोर दिया जाएगा। तीसरा लक्ष्य चार्जिंग स्टेशन और बैटरी स्वैपिंग सेंटर बनाने वालों को छूट देना है। नई पॉलिसी में कहा गया है कि राज्य में जो भी व्यक्ति नया इलेक्ट्रिक वीकल खरीदेगा, उसे कीमतों में छूट दी जाएगी। नीति के तहत नए इलेक्ट्रिक वीकल्स के फैक्ट्री मूल्य पर 15 फीसदी तक सब्सिडी दी जाएगी। खास बात यह है कि

यह छूट सभी तरह के इलेक्ट्रिक वीकल्स पर लागू होगी यानी टू वीलर से लेकर थ्री वीलर और कार व बस खरीदने पर भी लोगों को छूट दी जाएगी। सबसे ज्यादा सब्सिडी इलेक्ट्रिक बस खरीदने वालों को मिलेगी। यूपी सरकार ने कहा है कि शुरूआती 400 बसों की खरीद पर प्रति बस 20 लाख रुपये तक की सब्सिडी दी जाएगी। इसी तरह अगर कोई व्यक्ति इलेक्ट्रिक कार खरीदता है, तो उसे 1 लाख रुपये की सब्सिडी मिलेगी। हालांकि यह शुरूआती 25 हजार कारों पर लागू होगी। शुरूआती 50 हजार इलेक्ट्रिक थ्री वीलर खरीदने पर लोगों को एक थ्री वीलर पर 12 हजार रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। इलेक्ट्रिक 2 वीलर्स पर भी सब्सिडी देने का ऐलान यूपी सरकार ने किया है। अगर आप शुरूआती 2 लाख इलेक्ट्रिक टू वीलर खरीदने वालों में शामिल हैं, तो आपको 5 हजार रुपये की सब्सिडी गाड़ी खरीद पर मिलेगी। यही नहीं, पहले 3 साल में खरीदे गए इलेक्ट्रिक वीकल्स पर रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन चार्ज भी नहीं लगेगा। अगर आप ऐसा इलेक्ट्रिक वीकल खरीदते हैं, जो यूपी में ही बना है, तो उस पर चौथे और पांचवे साल भी रोड टैक्स नहीं लिया जाएगा। ट्रांसपोर्ट के लिए यूज होने वाली इलेक्ट्रिक गाड़ियों की खरीद पर भी सरकार छूट देगी। यह 10 प्रतिशत तक होगी। शुरूआती एक हजार ट्रांसपोर्ट वीकल्स पर यह छूट लागू होगी।

करवाचौथ पर विवादित बयान देकर फंसी बॉलीवुड अभिनेत्रियां

मुंबई। महिलाओं के बीच करवाचौथ के व्रत का अलग ही क्रेज देखने को मिलता है। महिलाएं पति की लंबी आयु के लिए यह व्रत रखती हैं। इस साल 13 अक्तूबर 2022 को देशभर में करवाचौथ का त्योहार मनाया जाएगा। बता दें कि करवा चौथ का व्रत सुहागिन स्त्रियां अपने पति की लंबी उम्र के लिए रखती हैं। कई बॉलीवुड अभिनेत्रियां भी इस त्योहार को विधि-विधान से मनाती हैं।

हर साल एक्ट्रेस के करवाचौथ लुक्स मीडिया की सुर्खियां बनते हैं। मगर, दूसरी ओर कुछ एक्ट्रेस ऐसी भी हैं, जो यह व्रत नहीं रखती हैं। इसके अलावा वह करवाचौथ व्रत पर विवादित बयान देकर फंस भी चुकी हैं। उनके बयानों पर जमकर बवाल हुआ था। एक्ट्रेस रत्ना पाठक शाह करवाचौथ पर विवादित बयान देकर आलोचानाएं झेल चुकी हैं। कुछ वक्त पहले रत्ना पाठक ने एक इंटरव्यू में कहा था, 'हमारा समाज बहुत ही रुढ़िवादी होता जा रहा है।

मैं शिद्दत से ये चीज महसूस कर रही हूं। हम अंधविश्वासी भी होते जा रहे हैं। हम लोगों को ये मानने पर मजबूर किया जा रहा है कि धर्म जिंदगी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। आज तक किसी ने मुझसे नहीं पूछा कि करवा चौथ का व्रत क्यों नहीं कर रहीं हैं आप? पिछले साल पहली बार किसी ने मुझसे पूछा। मैंने सोचा, 'पागल हूं क्या? अजीब नहीं है पढ़ी-लिखी महिलाएं भी पति की लंबी उम्र के लिए करवा चौथ का व्रत रखती हैं।' इस बयान के बाद रत्ना पाठक को सोशल मीडिया पर यूजर्स से खूब खरी-खोटी सुनने को मिली थी।

अक्षय कुमार की पत्नी और बॉलीवुड एक्ट्रेस करवाचौथ का त्योहार नहीं मनाती हैं। ट्विंकल खन्ना उन महिलाओं में से हैं, जिनका मानना है कि पत्नी के भूखे रहने से पति की आयु नहीं बढ़ती है। कुछ वर्ष पहले ट्विंकल अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर विवादों में फंस गई थीं, जिसमें उन्होंने करवाचौथ व्रत पर टिप्पणी की थी। एक्ट्रेस ने कहा था, 'आजकल जहां लोग 40 की उम्र में दूसरी शादी कर लेते हैं, तो पहले पति के लिए फास्ट रखने से क्या फायदा? जब उनके साथ जिंदगी भर साथ रहना ही नहीं।' इसके बाद ट्विंकल खन्ना की खूब फजीहत हुई। ट्विंकल खन्ना ने भी आंकड़े रखे और कहा था कि '100 देश ऐसे हैं, जहां पुरुष बिना व्रत रखे भी भारतीय पुरुषों से अधिक जीते हैं।'एक्टर सैफ अली खान की पत्नी और बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खुद एक पंजाबी परिवार से आती हैं। करीना कपूर की शादी को इसी महीने दस साल होने वाले हैं। मगर, करीना कपूर करवाचौथ का व्रत नहीं रखती हैं। करीना कपूर का साफ कहना है कि उन्हें अपने पति के प्रति प्यार साबित करने के लिए करवाचौथ का व्रत रखने की कोई जरूरत नहीं है। करीना का मानना है कि वह भूखे नहीं रह सकती हैं। वह करवाचौथ के दिन व्रत रखने की बजाय इस दिन को खाने-पीने और काम करने में व्यस्त रहते हुए बिताना पसंद करती हैं। एक बार मीडिया बातचीत में करीना ने कहा था, 'जब बाकी औरतें भूखी रहेंगी, मैं खूब खा रही होऊंगी। मुझे अपना प्यार साबित करने के लिए भूखे रहने की जरूरत नहीं है।' बेबो के इस बयान पर उनकी खूब आलोचना हुई थी।

80 वर्ष के हुए बॉलीवुड शहंशाह

चेन्नई। तमिल सुपरस्टार रजनीकांत बॉलीवुड सुपरस्टार अमिताभ बच्चन को जन्मदिन की बधाई देने वालों में दक्षिण के कई सितारों में सबसे आगे थे। बॉलीवुड के शहंशाह मंगलवार को 80 साल के हो गए। बॉलीवुड के इस दिग्गज अभिनेता के अच्छे दोस्त रहे रजनीकांत ने ट्विटर पर लिखा, दिग्गज.. कोई है जिसने मुझे हमेशा प्रेरित किया है। हमारी शानदार भारतीय फिल्म बिरादरी की एक सच्ची सनसनी और सुपरहीरो 80 में प्रवेश कर रहे हैं। जन्मदिन मुबारक हो मेरे प्यारे और सबसे सम्मानित अमिताभ जी। हमेशा ढेर सारे प्यार और शुभकामनाओं के साथ।

रजनीकांत यह कहने वाले दक्षिण के एकमात्र स्टार नहीं थे।

तेलुगु स्टार राम चरण, जो मेगास्टार चिरंजीवी के पुत्र भी हैं, ने भी उनके जन्मदिन के अवसर पर बिग बी को शुभकामनाएं दी और कहा कि वह भी उनसे प्रेरित हैं। राम

चरण ने ट्वीट किया, जन्मदिन मुबारक बच्चन गारू! अभिनय और सद्भावना की संस्था होने के लिए धन्यवाद। हमेशा आप से प्रेरित!

मलयालम अभिनेता निविन पॉली भी ट्विटर पर अमिताभ बच्चन को सबसे पहले बधाई देने वालों में शामिल थे। अमिताभ बच्चन के साथ अपनी एक तस्वीर पोस्ट करते हुए उन्होंने ट्वीट किया, जन्मदिन मुबारक हो सर, आपके लंबे जीवन की कामना और आगे और भी कई ब्लॉकबस्टर।

भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन डबल एक्सएल' में नजर आएंगे

मुंबई। भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन जल्द ही आगामी फिल्म 'डबल एक्सएल' में कैमरे के लिए परफॉर्म करते नजर आएंगे, जिसमें बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और हुमा कुरैशी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म दो प्लस-साइज महिलाओं की कहानी है जो अपने सपनों की तलाश में हैं। घटनाक्रम के बारे में बताते हुए भारत के सलामी बल्लेबाज ने कहा, राष्ट्र के लिए खेलने वाले एक एथलीट के रूप में, जीवन हमेशा बहुत व्यस्त होता है।

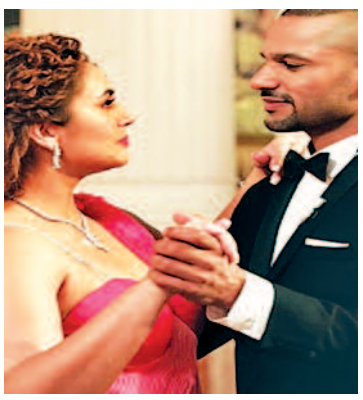

मेरा पसंदीदा मनोरंजन अच्छी मनोरंजक फिल्में देखना है। जब यह अवसर मेरे पास आया और मैंने जब कहानी सुनी, इसने मुझ पर गहरा प्रभाव डाला।

उन्होंने कहा कि फिल्म का उद्देश्य समाज को एक स्वस्थ संदेश देना है और इसमें बातचीत शुरू करने की क्षमता है, यह पूरे समाज के लिए एक प्यारा संदेश है और मुझे उम्मीद है कि बहुत सारी युवा लड़कियां और लड़के अपने सपनों को पूरा करेंगे, चाहे कुछ भी हो जाए।

सतरम रमानी द्वारा निर्देशित, स्लाइस-ऑफ-लाइफ कॉमेडी ड्रामा, जो शरीर के वजन की रूढ़ियों को चुनौती देता है, इसमें जहीर इकबाल और महत राघवेंद्र भी पुरुष नायक के रूप में हैं।

गुलशन कुमार, टी-सीरीज, वाकाओ फिल्म्स और मुदस्सर अजीज द्वारा प्रस्तुत, 'डबल एक्सएल' 4 नवंबर, 2022 को सिनेमाघरों में हिट होने के लिए तैयार है।

फेम एंजेला लैंसबरी ने 96 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

मर्डर। शी रोट' सीरीज में अपने किरदार राइटर जासूस के लिए लोकप्रिय अभिनेत्री एंजेला लैंसबरी का निधन हो गया। उन्होंने 11 अक्टूबर को 96 साल की उम्र में लॉस एंजलिस में अंतिम सांस ली। इसकी पुष्टि उनके परिवार के द्वारा की गई है। एंजेला लैंसबरी ने अपने आठ दशक के करियर में नकारात्मक किरदारों से लेकर जासूस और कॉमेडी भूमिकाओं में शानदार अभिनय से अमिट छाप छोड़ी है। उनके परिवार ने इस दुख की घड़ी में निजता बनाए रखने की अपील की है।

एंजेला लैंसबरी ने टेलीविजन इंडस्ट्री में ही नहीं बल्कि स्टेज आर्टिस्ट के रूप में

अपनी अपनी परफॉर्मेंस से लोगों का दिल जीता था। इसके लिए उन्होंने पांच पार टोनी अवॉर्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है। दिग्गज अभिनेत्री को साल 2009 में 'ब्लिथ स्पिरिट' में उनके शानदार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार से भी नवाजा गया था। एंजेला ने टीनएज में ही हॉलीवुड में अपने करियर की शुरूआत कर दी थी। उन्होंने साल 1944 में आई गैसलाइट से डेब्यू किया था। एंजेला लैंसबरी को अपनी पहली फिल्म के तकरीबन सात दशक बाद, साल 2013 में लाइफटाइम अचीवमेंट के मानद ऑस्कर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। उस समय अभिनेत्री एंजेला की उम्र 88 वर्ष थी। इसके अलावा उन्हें 1945 में फिल्म 'द पिक्चर ऑफ डोरियन ग्रे' और 1962 में फिल्म 'द मंचूरियन' कैंडिडेट में काम करने के लिए ऑस्कर अवॉर्ड के लिए नामित किया गया था। एंजेला लैंसबरी को अभिनय की दुनिया में उनके विशिष्ट योगदान के लिए याद रखा जाएगा।

मिड डे मील की कंवर्जन कॉस्ट में 9.6 फीसदी की बढ़ोतरी

गाजियाबाद। जनपद के सरकारी स्कूलों में बंटने वाली मिड डे मील की परिवर्तन लागत बढ़ा दी गई है। इससे छात्रों के लिए बनने वाले खाने की गुणवत्ता में सुधार आएगा। बढ़ी हुई कीमतें अक्तूबर से प्रभावी मानी जाएंगी। जनपद में बेसिक शिक्षा विभाग के तहत 446 स्कूलों का संचलान हो रहा है, जिनमें करीब एक लाख छात्र-छात्राएं पढ़ाई करते हैं। इन छात्रों को शासन की ओर से मध्याह्न भोजन दिया जाता है। जिसे मिड-डे-मील कहते हैं। स्कूलों की ओर से काफी समय से इसका लागत बढ़ाने की मांग की जा रही थी। क्योंकि ढाई साल पहले तय की गई कीमतों में मेन्यू के मुताबिक गुणवत्तापूरण तथा पोषणयुक्त भोजन तैयार कराना चुनौतीपूर्ण था। इसी को ध्यान में रखते हुए शासन ने प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण के तहत मिड-डे-मील की कंवर्जन कॉस्ट में प्रति छात्र 9.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है।

बढ़ोतरी होने से बच्चों को अब पहले से बेहतर खाना मिल सकेगा। बीएसए विनोद मिश्रा ने बताया कि मिड-डे-मील की नई दरों के मुताबिक प्राथमिक वर्ग यानि कक्षा एक से पांच तक के प्रत्येक छात्र के लिए भोजन निर्माण के मद में 5.45 रुपये मिलेंगे। इसी प्रकार उच्च प्राथमिक वर्ग यानि कक्षा छह से आठ तक के प्रत्येक छात्र के लिए 8.17 रुपये दिए जाएंगे। यह संशोधित दरें एक अक्तूबर से प्रभावी होंगी। इससे पहले एक अप्रैल 2020 को मिड-डे-मील की परिवर्तन लागत में वृद्धि की गई थी। उस समय प्राथमिक स्तर के लिए 4.97 और उच्च प्राथमिक स्तर के के लिए 7.45 मंजूर हुए थे। करीब ढाई साल से परिवर्तन लागत न बढ़ने के कारण सबसे अधिक शिक्षक परेशान थे। खुदरा सामानों की कीमत में लगातार वृद्धि के चलते शिक्षकों के लिए स्कूल में मध्याह्न भोजन बनवाना मुश्किल हो रहा था। जनपद के कई स्कूलों के प्रधानाध्यापक एवं प्रधानाध्यापिकाओं ने परिवर्तन लागत में वृद्धि का स्वागत किया है। अधिकारी का कहना है कि स्कूलों में मिड-डे-मील के लिए अब प्राथमिक स्तर के प्रत्येक छात्र के लिए 5.45 और उच्च प्राथमिक स्तर के लिए 8.17 रुपए प्रति छात्र का भुगतान किया जाएगा। नई दरें एक अक्टूबर से प्रभावी होंगी।

मधुवन बापूधाम में लकी ड्रा का आयोजन, जीडीए बेचेगा 98 फ्लैट

गाजियाबाद। मधुबन बापूधाम योजना के तहत 60, 90, 120, 200 और 300 मीटर के भूखंड जीडीए दीपावाली के उपलक्ष्य में लकी ड्रा के माध्यम से बेचेगा। योजना में कुल 98 भूखंड शामिल हैं। इन भूखंडों का दाम जीडीए ने 30 से 32 हजार रुपये प्रति वर्गमीटर तय किया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जीडीए को मधुबन-बापूधाम योजना की 281 एकड़ जमीन के भू - स्वामियों को नए भू-अधिग्रहण कानून के हिसाब से मुआवजा देना पड़ा। इससे जीडीए पर करीब 1200 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार पड़ा था। इस अतिरिक्त भार को नए व पुराने सभी आवंटियों पर डालते हुए जीडीए ने प्रत्येक आवंटी को पांच हजार रुपये प्रति वर्गमीटर की दर से डिमांड नोटिस भेजा था। इसके बाद सभी ने बढ़ी हुई दर पर पैसा जमा करने के बजाय पैसा वापस लेना शुरू कर दिया। प्राधिकरण ने उनके आवेदन पर ब्याज समेत पैसा वापस कर दिया है। वापस हुए भूखंडों को लकी ड्रा के माध्यम से बेचा जाएगा। योजना में विधायक कोटे से आवंटित हुए 99 भूखंडों में 22 तत्कालीन विधायक समेत 32 आवंटियों ने वापस किए हैं। भूखंड वापस लेने वाले लोग प्राधिकरण से नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से रकम वापस ले चुके हैं।

किताबों का खजाना है राजधानी दिल्ली का दरियागंज मार्केट

नई दिल्ली। नई सड़क ओर दिल्ली का दरियागंज मार्केट किसी को कोर्स की किताब चाहिए तो किसी को बड़े लेखक और महापुरुषों की जीवनी से संबंधित किताब। एक दुकान से दूसरी दुकान तक मनपसंद किताब ढूंढ़ने का सिलसिला तब तक जारी रहता है जब तक किताब मिल ना जाए। किताबों की इस मंडी में दिल्ली ही नहीं, गाजियाबाद, नोएडा, फरीदाबाद, गुरुग्राम समेत देश के विभिन्न हिस्सों से लोग आते हैं। हर जगह से थक हार जाने के बाद लोग बड़ी हसरत के साथ नई सड़का का रुख करते हैं। यहां भीड़ का बहुत बड़ा हिस्सा जिस एक दुकान को ज्यादा तरजीह देता है वह धर्म प्रताप कोहली की दुकान है।

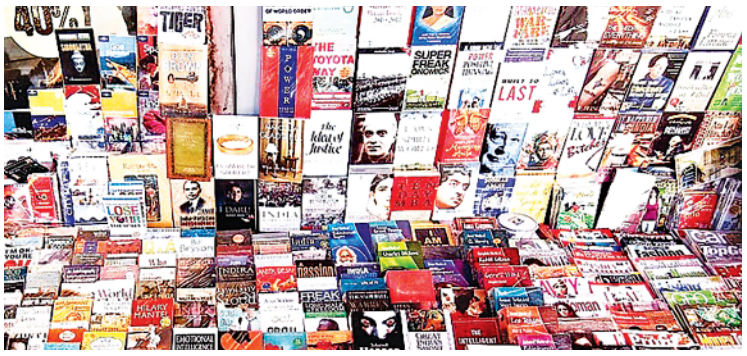

बचपन से था किताबों का शौक

पुराने दरवाजे, पुराना पंखा, पुरानी कुर्सी, आलमारी के बीच करीने से सजी हुई किताबें। नजर दौड़ाएं तो इनमें चेतन भगत, अमीश से लेकर डेन ब्राउन, डेनियल स्टील, जान, इदरिसी, आलिवर तक की किताबें दिखती हैं। बुजुर्ग धर्म प्रताप कोहली कहते हैं कि किताबों से लगाव तो बचपन से ही था। पिता एसके कोहली डॉक्टर थे। हम मारवाड़ी कटरे के सामने पुरानी दिल्ली में ही रहते थे। जब मैंने होश संभाला तो खुद को किताबों में ढूंढ़ते पाया। यह शौक कब कारोबार में बदल गया पता ही नहीं चला। पहले हम कभी-कभार ही किताबें बेचते एवं खरीदते थे। एक तरह से कहें तो शौकिया वाला हिसाब था। लेकिन 3 जनवरी, 1987 को अचानक पिताजी का देहांत हो गया। उनके गुजरने के बाद पहली बार स्थायी रूप से किताबों की दुकान खोली। 1987 में धर्म प्रताप ने महज 43 किताबों के साथ दुकान शुरू की थी। इनमें मेडिकल, टेक्निकल, लिटरेचर की किताबें हुआ करती थीं। उन दिनों को याद करते हुए धर्म प्रताप कहते हैं कि उन दिनों पढ़ने वालों की कमी नहीं थी। लोग लाइन लगाकर किताबें खरीदने आते थे। दरियागंज में अंसारी रोड पर ही पब्लिशिंग हाउस थे। वो दिन भी क्या दिन थे। पढ़ने वाले दूर-दूर से किताबें ढूंढ़ने आते थे। लोग बेहतरीन लेखक की किताबें मांगते थे।

दुर्लभ किताबों का खजाना

एक समय था जब लोग साहित्य की किताबें बड़े शौक से पढ़ा करते थे, पर अब उनमें कमी आई है। धर्म पाल का दावा है कि उनकी दुकान में दुर्लभ किताबें भी मिलती हैं, बस लोग किताब का नाम उन्हें बता दें तो वह उसे भी उपलब्ध करवा देते हैं। वैसे यहां साहित्य, मेडिकल समेत अन्य प्रतियोगिता की तैयारियों की किताबें भी मिलती हैं। देश के कोने-कोने से लोग यहां आते हैं एवं किताबों की लिस्ट थमा उनसे किताब उपलब्ध कराने की गुजारिश करते हैं।

सैकड़ों किमी का सफर तय किया

दुष्यंत की किसी किताब के बारे में पूछते अमन कहते हैं कि वो लखीमपुर खीरी के रहने वाले हैं। किताबों का शौक उन्हें यहां खींच लाता है। पहले तो वह किताबों की लिस्ट तैयार करते हैं, फिर एक बार यहां आते हैं और सारी किताबें एक साथ खरीद कर ले जाते हैं। इसी तरह गाजियाबाद से आई आकांक्षा कहती हैं कि तकनीकी शिक्षा संबंधी किताबें खरीदने का यह बेहतरीन ठिकाना है। इनके अलावा कई प्रतिष्ठित सरकारी संस्थानों के प्रमुख यहां अक्सर किताबें खरीदने आते हैं। इस कड़ी में धर्म प्रताप सेल के सीईओ का जिक्र करना नहीं भूलते। कहते हैं कि वे इंजीनियरंग की किताबें लेने के लिए आते थे। यहां ज्योतिष, वैदिक साहित्य, अंतरिक्ष विज्ञान, समुद्र विज्ञान के कई ऐसे ग्राहक भी है, जिनके लिए नई सड़क का मतलब ही धर्म प्रताप कोहली की दुकान है। ऐसे ही एक ग्राहक प्रियेश शुक्ल कहते हैं कि वह करीब 20 साल से यहां किताब खरीदने आते रहते हैं। खुद अध्यापन कार्य से जुड़े है। जो किताबें उन्हें कहीं नहीं मिलती वो यहां आर्डर देने पर आसानी से कुछ दिनों के अंदर उपलब्ध हो जाती है। यही इस दुकान की सबसे बड़ी खासियत है, जिसकी वजह से लोग यहां से जुड़े हैं। जबकि धर्म प्रताप कहते हैं कि हमारी कोशिश रहती है कि किताबों के जो भी शौकीन है वो यहां से निराश ना लौटें।

अब संघर्ष का दौर

पुराने दिनों को याद करते हुए धर्मपाल कहते हैं कि पहले नई सड़क पर आधे हिस्से में कपड़े की दुकान, जबकि आधे में किताबों का संसार हुआ करता था। लेकिन आनलाइन किताब पढ़ने के चलन, स्कूल-कॉलेज समेत अन्य संस्थानों द्वारा प्रकाशकों से समझौताकर किताबें बेचने समेत कई अन्य कारणों ने यहां किताबों की दुकानों पर असर डाला है। यही वजह है कि ब किताब बेचने वाले दुकानदार अपनी जीविका चलाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

दिल्ली की लैंडफिल साइटों पर तेजी से हो रहा कूड़ें का निस्तारण, 26.1 लाख मीट्रिक टन की कमी

नई दिल्ली। राजधानी की तीनों लैंडफिल साइटों पर जमा कचरा तेजी से कम हो रहा है। बीते चार महीनों के दौरान हर महीने साढ़े छह लाख मीट्रिक टन से ज्यादा कचरे का निस्तारण किया जा रहा है। राजनिवास से मिली जानकारी के मुताबिक उपराज्यपाल वीके सक्सेना के सुझावों और निगरानी के बाद इस कार्य में खासी तेजी आई है। इसी का असर है कि जून से सितंबर के बीच पहले की तुलना में कचरे के निस्तारण की दर में 462 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

राजनिवास सूत्रों के मुताबिक दिल्ली की तीनों लैंडफिल साइट गाजीपुर, भलस्वा और ओखला में वर्ष 2019 में लगभग 280 लाख मीट्रिक टन कचरा जमा था। कचरे का निस्तारण करने के लिए चलाई जाने वाली लंबी प्रक्रिया के बाद मई 2022 में यहां लगभग 229.1 लाख मीट्रिक टन कचरा था। इस पूरे तीन साल के दौरान हर महीने 1.41 लाख मीट्रिक टन की दर से कचरे का निस्तारण किया जा रहा था। लेकिन, मई के बाद से इसमें तेजी आई और सितंबर में यह लगभग 203 लाख मीट्रिक टन तक बचा। यानी चार महीने में ही लगभग 26.1 लाख मीट्रिक टन कचरे का निस्तारण किया गया। हर महीने 6.52 लाख मीट्रिक टन की दर से कचरे को साफ किया गया। राजनिवास के मुताबिक अप्रैल 2024 तक पूरे कचरे का निस्तारण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

उपराज्यपाल कार्यालय के सूत्रों के

अनुसार, तीन लैंडफिल साइटों पर कचरे के निपटान की प्रक्रिया एमसीडी द्वारा की जा रही है और एलजी वीके सक्सेना सीधे इसकी निगरानी कर रहे हैं। ट्रामेल मशीनों के जरिये अपशिष्ट निपटान की प्रक्रिया में तेजी लाने के बाद, इस साल जुलाई-अगस्त में, एलजी ने एमसीडी को उनके उपयोग के लिए लैंडफिल साइटों से निष्क्रिय और सीएंडडी कचरे को मुफ्त में उठाने के लिए सार्वजनिक अपील करने का भी निर्देश दिया था।

तब एमसीडी ने निवासियों, निर्माण एजेंसियों और अन्य संबंधित एजेंसियों से अनुरोध किया था कि वे अपनी निर्माण संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए लैंडफिल साइटों से सी एंड डी मलबा और निष्क्रिय सामग्री का बेहतर उपयोग करें और इन कचरे के टीले को खत्म करने में नगर निकाय की मदद करें।

उल्लेखनीय है कि शहर में रोजाना लगभग 11,400 मीट्रिक टन कचरा उत्पन्न करता है, जिसमें से लगभग 6,200 मीट्रिक टन इन तीन लैंडफिल साइटों पर पहुंचता है। शेष 5,200 मीट्रिक टन कचरा स्थानीय रूप से कम्पेक्टर और डब्ल्यूटीई संयंत्रों की मदद से निपटाया जाता है।

एनजीटी ने दिल्ली सरकार पर लगाया 900 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली। राजधानी की लैंडफिल साइट पर वर्षों से जमा कचरे का उचित प्रबंधन व निपटारा नहीं किए जाने पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने कड़ा रुख अपनाया है। ट्रिब्यूनल ने इसे गंभीरता से लेते हुए दिल्ली सरकार पर 900 करोड़ रुपये का पर्यावरण हजार्ना लगाया है। ट्रिब्यूनल ने कहा है कि हजार्ने की रकम का इस्तेमाल कूड़े का उचित निपटान नहीं होने से पर्यावरण को नुकसान की भरपाई पर खर्च किया जाएगा। एनजीटी प्रमुख जस्टिस आदर्श कुमार गोयल की अगुवाई वाली पीठ ने कहा है कि राजधानी के गाजीपुर, भलस्वा और ओखला लैंडफिल साइटों पर लगभग 80 फीसदी पुराने कचरे का उचित निपटारा नहीं किया गया है। तीनों लैंडफिल साइटों पर 300 लाख मीट्रिक टन कचरा जमा था। पीठ ने कहा है कि आदेश के बाद भी कूड़े का

उचित निपटारा नहीं होना राजधानी में एक गंभीर व विकट तस्वीर और पर्यावरण आपातकाल की स्थिति पेश करता है। एनजीटी ने इसे चिंताजनक बताते हुए कहा है कि 'शासन की कमी के कारण आम लोगों को आपात स्थिति का सामना करने के लिए नहीं छोड़ा जा सकता है।' पीठ ने कहा है कि लैंडफिल साइटों के आसपास भूजल प्रदूषण के साथ-साथ मीथेन और अन्य हानिकारक गैसों का लगातार उत्सर्जन हो रहा है, बावजूद इसके बार-बार आग आग लगने की घटनाओं को रोकने के न्यूनतम सुरक्षा उपायों को भी नहीं अपनाया गया। नए कूड़े को नहीं मिलाया जाए एनजीटी ने संबंधित विभाग और अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया है कि मौजूदा कचरे को पुराने कचरे में शामिल नहीं किया जाए। साथ ही, कूड़े का निस्तारण तय मानदंडों के अनुसार करने का आदेश दिया है।

पीठ ने हजार्ने की रकम का इस्तेमाल दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव की निगरानी के तहत कचरे के उपचार और अन्य उपायों द्वारा पर्यावरण सुधार के लिए एक रिंग-फेंस खाते मैं जमा कराने का आदेश दिया है। पीठ ने 31 दिसंबर तक आदेश का पालन करने और इस बारे में 5 जनवरी, 2023 तक एनजीटी में अंतरिम रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है।

200 करोड़ के घोटाले मामले में नगर निगम की पूर्व आयुक्त आइएएस अनीता यादव से पूछताछ

फरीदाबाद। 200 करोड़ के घोटाले मामले में नगर निगम की पूर्व आयुक्त आइएएस अनीता यादव बुधवार को जांच में शामिल हुईं। विजिलेंस के मिजार्पुर स्थित कार्यालय में करीब ढाई घंटे तक अधिकारियों ने उनसे पूछताछ की। इस दौरान उन्होंने अपना बयान भी दर्ज कराया। बयान में उन्होंने कहा है कि बिल पास करने और मौके पर काम हुआ या नहीं यह देखने का आडिट विभाग का जिम्मा था। उनके पास इन विभागों से फाइल पास होकर अंतिम रूप से हस्ताक्षर के लिए आती थी। इसलिए घोटाले में उनकी कोई भूमिका नहीं है। इससे पहले मंगलवार को आइएएस मोहम्मद शाइन भी जांच में शामिल हुए थे। उन्होंने भी लगभग इसी तरह के बयान दर्ज कराए हैं। विजिलेंस ने नगर निगम की आयुक्त रहीं और आइएएस अधिकारी सोनल गोयल को जांच में शामिल होने के लिए शुक्रवार को नोटिस दिया हुआ है। सोनल गोयल ने हाई कोर्ट में याचिका लगाकर विजिलेंस की जांच पर सवाल उठाए थे। उन्होंने मुख्य सचिव हरियाणा से भी शिकायत की थी। विजिलेंस ने 2015 से 2021 तक एक ही ठेकेदार के बैंक खातों में बिना काम किए करीब 200 करोड़ रुपये का भुगतान करने को लेकर अब तक तीन मुकदमे दर्ज किए हैं। इससे पहले स्टेट विजिलेंस मुकदमा नंबर 11 और 13 में भुगतान पाने वाले ठेकेदार सतबीर सिंह सहित नगर निगम में मुख्य अभियंता रहे डीआर भास्कर सहित लेखा व अंकेक्षण विभाग के अधिकारियों को गिरफ्तार कर चुकी है। एक अन्य आरोपी मुख्य अभियंता रमन शर्मा इस मामले में जमानत पर हैं। राज्य सरकार ने 2015 से 2021 तक फरीदाबाद नगर निगम आयुक्त रहे सभी आइएएस अधिकारियों को जांच में पूछताछ के लिए बुलाने की अनुमति दी थी। यह घोटाला मई 2020 में उजागर हुआ था। फरीदाबाद नगर निगम के चार तत्कालीन पार्षदों दीपक चौधरी, दीपक यादव, सुरेंद्र अग्रवाल, महेंद्र सरपंच ने तत्कालीन निगम आयुक्त को शिकायत दी थी कि निगम के लेखा विभाग ने ठेकेदार सतबीर की विभिन्न फर्मों को बिना काम किए भुगतान कर दिया है।

पृष्ठ एक का शेष भाग....

रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर और आरएचएएम फाउंडेशन के नेतृत्व में लगा मेगा हेल्थ कैंप

शहर के अन्य सामाजिक संगठनों को इनसे प्रेरणा लेकर समाज सेवा के लिए आगे आना चाहिए। रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर की अध्यक्ष रो मनीषा भार्गव ने कहा कि वैशाली के बाद राजेंद्र नगर में स्वास्थ्य की जांच के लिए दूसरा निशुल्क मेगा कैंप लगा है। इसमें लोगों के बीपी, शुगर, आंख, कोलेस्ट्रॉल की जांच हुई है। इसमें स्वास्थ्य विभाग और इंद्रप्रस्थ डेंटल कॉलेज की टीम ने भी काफी योगदान दिया। डिस्ट्रिक्ट चेयर रोटरी हेल्थ अवेयरनेस मिशन के फाउंडर एंड चेयर (आरएचएएम) रो डॉ धीरज कुमार भार्गव ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर लोगों की मदद के लिए रोटरी क्लब का अभियान जारी है। आगे भी कई तरह की बीमारियों की जांच के लिए शिविर लगाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। डॉ भार्गव ने कहा कि अगर समय रहते व्यक्ति सचेत हो जाए तो गंभीर से गंभीर बीमारियों को भी आसानी से हराया जा सकता है। वहीं, रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सेफरोन की अध्यक्ष रो कुनिका भार्गव ने कहा कि आगे भी इसी तरह के मेगा कैंप लगाकर लोगों की मदद की जाएगी। वहीं, वेट मैनेजमेंट एक्सपर्ट एंड हेल्थ कंसल्टेंट सुरेंद्र सेठी ने भी आरएचएएम फाउंडेशन और रोटरी क्लब के इस कार्य की जमकर तारीफ की।

मेगा हेल्थ कैंप में इन्होंने निभाई मुख्य भूमिका

मेगा हेल्थ कैंप में गाजियाबाद सेंट्रल के अध्यक्ष रो प्रदीप गुप्ता, गाजियाबाद सेफरोन की अध्यक्ष रो कुनिका भार्गव, दिल्ली ईस्ट एंड के अध्यक्ष रो अशोक शर्मा ने मुख्य भूमिका निभाई। वहीं, गाजियाबाद के एमएमजी अस्पताल से डॉ पवन कुमारी के साथ अभय सिंह, आकाश, कमल, कुनाल, मनीष, इंद्रप्रस्थ डेंटल कॉलेज साहिबाबाद से डॉ राघवेंद्र कुमार, श्रुति, शिवा और आई चेकअप में संजीव गिरी, सद्दाम और निशा ने मुख्य भूमिका निभाई। कैंप के समापन पर डॉ भार्गव ने सभी चिकित्सकों और स्थानीय लोगों का आभार जताया।

100 रुपये के स्टांप पेपर पर बेच दिए 65 फ्लैट

गाजियाबाद। शहीद नगर में सौ रुपये के स्टांप पेपर पर 65 फ्लैट बेचने का मामला सामने आया है। फ्लैटों की रजिस्ट्री न कराने से निबंधन विभाग को एक करोड़ रुपये से अधिक के राजस्व का नुकसान हुआ है। मामला पकड़ में आने के बाद संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी की गई है। विद्युत विभाग की ओर से फ्लैट के मालिकों को रजिस्ट्री कराने के लिए कहा गया है, अन्यथा तीन दिन में बिजली कनेक्शन काट दिए जाएंगे। ऐसे में उम्मीद है कि जल्द ही फ्लैटों की रजिस्ट्री कराई जाएगी। उप निंबधक तृतीय सुरेश चंद्र मौर्य ने बताया कि इस मामले में मानव अधिकार पक्षकार कार्यकर्ता राजीव शर्मा ने शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि छह भूखंड पर 65 फ्लैट बनाए गए हैं। उन फ्लैटों की बिक्री सौ-सौ रुपये के स्टांप पेपर पर की गई है। सुरेश

चंद्र मौर्य ने बताया कि खरीदार को फ्लैटों में पजेशन दे दिया गया है। उन्होंने रजिस्ट्री नहीं कराई है। जबकि फ्लैटों में रहने वालों को बिजली के कनेक्शन सहित अन्य बुनियादी सुविधाएं मुहैया करा दी गई हैं। ऐसे में निबंधन विभाग को राजस्व का नुकसान हो रहा है। उप निबंधक ने बताया कि मामले की जांच की गई तो आरोप सही पाए गए हैं। 65 फ्लैटों की रजिस्ट्री न होने के कारण विभाग को एक करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। इस वजह से ही विद्युत निगम की मदद से संबंधित फ्लैटों के मालिकों के बारे में और उनके द्वारा बिजली कनेक्शन लेने के दौरान दिए गए दस्तावेजों के बारे में जानकारी की जा रही है। यदि जल्द ही संबंधित लोगों ने फ्लैटों की रजिस्ट्री नहीं कराई गई तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

82 साल की उम्र में मुलायम सिंह का निधन, बेटे अखिलेश ने दी मुखाग्नि

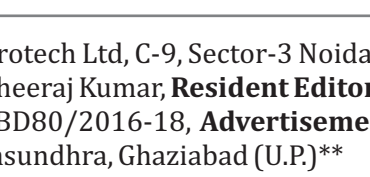

यूपी न्यूज। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव का निधन हो गया है। उन्होंने सोमवार सुबह 8.16 पर अंतिम सांस ली। वह 82 साल के थे। मुलायम सिंह गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में वह वेंटिलेटर पर थे। पिछले रविवार से उनकी हालत नाजुक बनी हुई थी। मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद सपा कार्यकताओं में शोक की लहर दौड़ गई। पहलवान और शिक्षक रहे मुलायम ने लंबी सियासी पारी खेली। तीन बार यूपी के मुख्यमंत्री रहे। केंद्र में रक्षा मंत्री रहे। उन्हें बेहद साहसिक सियासी फैसलों के लिए भी जाना जाता है। आपको बता दें कि 22 अगस्त को मेदांता अस्पताल में भर्ती किया गया था। मुलायम सिंह को एक अक्तूबर की रात को आइसीयू में शिफ्ट किया गया था। मुलायम सिंह यादव का सैफई में अंतिम संस्कार किया गया।

तीन तलाक पर पुलिस अधिकारियों से मांगी रिपोर्ट

गाजियाबाद। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग की सदस्य कुमारी सैयद शहजादी ने बुधवार को कलक्ट्रेट में समीक्षा बैठक की और अल्पसंख्यकों के मामलों में सुनवाई की। इस दौरान उन्होंने पुलिस अधिकारियों को एक मामले में उचित कार्रवाई न करने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि 25 लोग एक महिला को सरेआम पीटें और पुलिस कार्रवाई न करे, यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही मामले की विस्तृत रिपोर्ट आयोग को भेजना सुनिश्चित करने के आदेश दिए हैं। बैठक की शुरूआत में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग की सदस्य ने जिलाधिकारी और एसएसपी के मौजूद न होने पर नाराजगी व्यक्त की, जिसकी खबर लगते ही प्रमुख सचिव की वीडियो कांफ्रेंसिंग छोड़ जिलाधिकारी बैठक में पहुंचे।

पुलिस अधिकारियों ने एसएसपी के व्यस्त होने की वजह बताई तो उन्होंने कहा कि अगली बैठक में उनका मौजूद रहना आवश्यक होगा। इसके बाद एक-एक कर सभी विभागों से अल्पसंख्यकों के लिए संचालित योजनाओं और लाभार्थियों की संख्या के बारे में जानकारी की। तीन तलाक सहित विभिन्न आपराधिक मामलों में

जानकारी करने पर पुलिस विभाग के अधिकारी डाटा नहीं दे सके, जिस पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की, निर्देश दिए कि डाटा तैयार कर आयोग में भेजना सुनिश्चित करें।

इसके साथ ही कोतवाली क्षेत्र में पिछले माह एक महिला को पार्किंग के विवाद में 20-25 लोगों द्वारा पीटे जाने के मामले में उन्होंने विवेचनाधिकारी अनंतपाल से, एसपी सिटी तृतीय सुभाष गंगवार से जानकारी की। दोनों अधिकारियों ने बताया कि मामले में दोनों तरफ से मारपीट हुई है, केस दर्ज है। विवेचना प्रचलित है, जिस पर उन्होंने आरोपितों के खिलाफ ठोस कार्रवाई एक माह बाद भी न होने पर नाराजगी व्यक्त की, कहा कि इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मामले में आवश्यक कार्रवाई कर रिपोर्ट आयोग को भेजें।

हिंडन नदी की सफाई की मांग को लेकर डीएम को सौंपा ज्ञापन

गाजियाबाद। छठ महापर्व की पूजा अर्चना के लिए डीएम को मांगपत्र सौंपा गया है। जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने कहा कि छठ महापर्व को लेकर समय से पहले हिंडन नदी मे गंगाजल छोड़ा जाएगा। व्यवस्था मे नगर निगम, जी डी ए . सिंचाई विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस प्रशासन की अहम भूमिका होगी। महापर्व 28 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक चलेगा। इस मौके पर अध्यक्षा रीता सिंह, महासचिव राकेश तिवारी, सचिव मनोज मुंगेरी ,

उज्जवला राय , विनोद अकेला, तिलक राम पांडेय, राजाराम मौर्य, वीरेंद्र मिश्रा, नरसिंह तिवारी, गुड्डू , शिव सिह, अनिल आदि मौजूद रहे।

Printed and Published by Dheeraj Kumar Bhargava at B.F.L Inrotech Ltd, C-9, Sector-3 Noida, Distt. Gautam Budh Nagar and Published at 282, Sarai Nazar Ali, behind MMG Hospital Ghaziabad (U.P.) 201 001. **Editor:** Dheeraj Kumar, **Resident Editor:** Manisha Bhargava** **Email:** editor@tbam.co.in
RNI. No: UPBIL/2009/28691, **Postal Registration No.** UP/GBD80/2016-18, **Advertisement :** Ph. No.: 0120-2850800, 2850297, **Fax :** 0120-4561000
Add: Plot No- 516, Sector- 12, Friends Co-operative Society, Vasundhra, Ghaziabad (U.P.)**
Responsible for selection of News under the PRB Act. Repro- duction in any manner, electronic or otherwise in whole or in post without prior written permission is prohibited.